Chapter-7

भारत जनताऽहम्

STUDY NOTES

MIND MAP

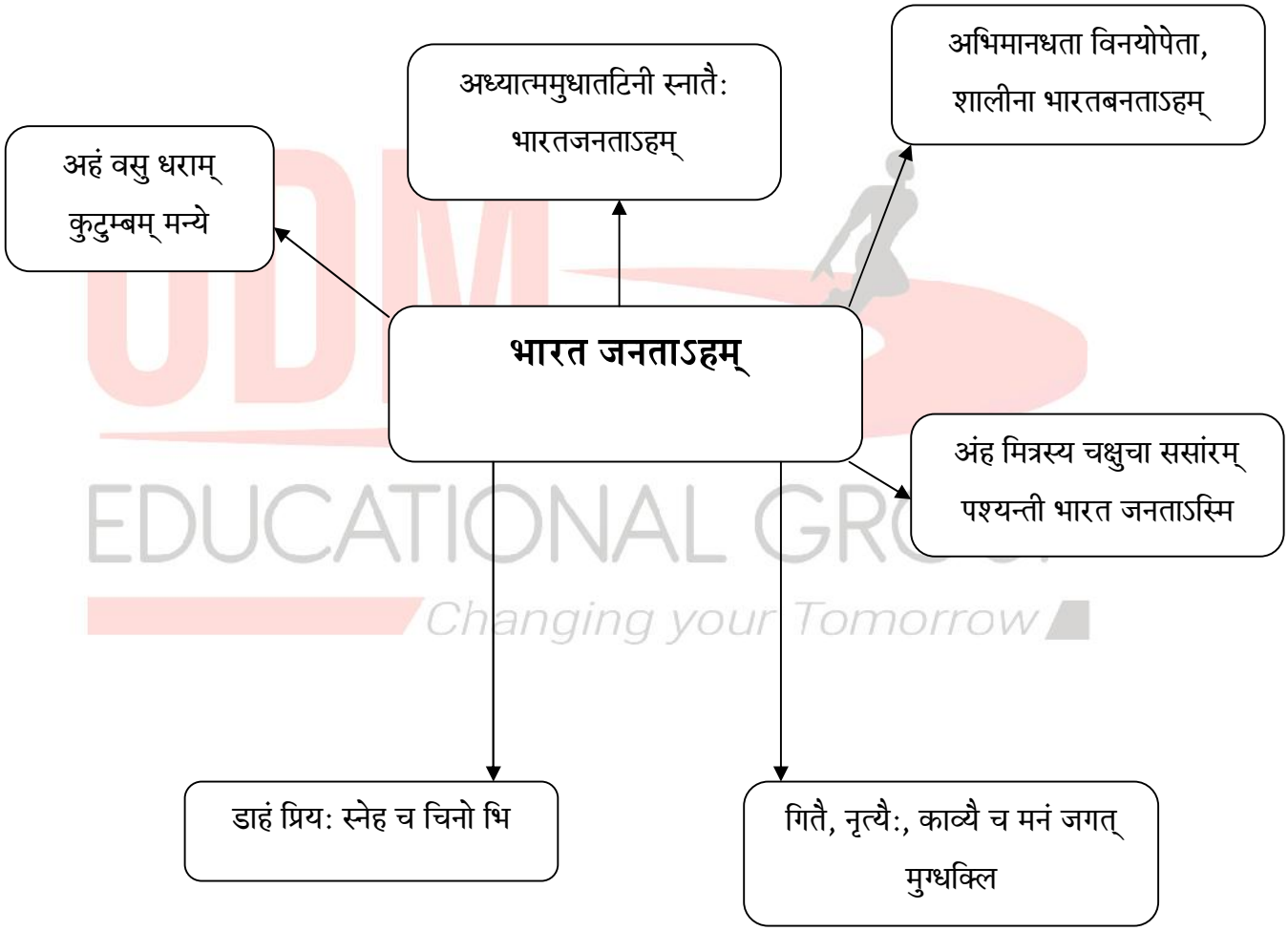

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

यह कविता आधुनिक कवि डॉ. रमाकान्त शुक्ल के काव्यसंग्रह से ली गई है। डॉ. शुक्ल आधुनिक संस्कृत जगत् में राष्ट्रपति सम्मान तथा पद्मश्री सम्मान से विभूषित मूर्धन्य कवि हैं जिनका काव्य पाठ न केवल भारतीय आकाशाणी- दूरदर्शन अथवा अन्य विविध कविसम्मेलनों में अपितु मौरिशस-अमेरिका-इटली-यू.के आदि देशों में भी प्राशंसित है। भाति मे भारतम्,जयभारतभूमे, भाति मौॉिशसम्, भारतजनताऽहम्, सर्वशुक्ला, सर्वशुक्लोत्तरा, आशाद्विशती, मम जननी तथा राजधानी-रचना: इनकी महान् काव्य रचनाएँ हैं। इनके अतिरक्ति पण्डितराजीयम् अभिशापम्, पुरश्चरणकमलम्, नाट्यसप्तकम् इत्यादि पुरस्कृत एवं मञ्चित नाट्यरचनाएँ तथा अन्य अनेक सम्पादित ग्रन्थ भी इनकी लेखनी से लब्धप्राण हुए हैं, कवि की कुछ अन्य रचनाएँ भी पढ़िए-

परिमितशब्दैरमितगुणान्, गायामि कथं ते वद पुण्ये।

चुलुके जलधिं तुङ्गतरङ्गं करवाणि कथं वद धन्ये।

जय सुजले सुफले वरदे, विमले कमला-वाणी वन्द्ये।

जय जय जय हे भारत भूमे जय-जय-जय भारत भूमे।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow